This question paper contains 7 printed pages]

आपका अनुक्रमांक ....

324

B.A. (Programme)/II /III J

HINDI LANGUAGE (B) – Paper – II

हिन्दी भाषा (ख) – प्रश्न पत्र – II

(प्रवेश वर्ष 2004 / 2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए / NCWEB के विद्यार्थियों के लिए ।)

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं । तथापि ये अंक, NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे ।

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं । किन्हीं दो अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **8 + 8 = 16**

(क) कम हो रहा है मिलना-जुलना

कम हो रही है लोगों की जान-पहचान

सुख-दुःख में भी पहले की तरह इकट्ठे नहीं होते लोग
तार से आ जाती है बधाई और शोक-संदेश
बाबा को जानता था सारा शहर
पिता को भी चार मोहल्ले के लोग जानते थे
मुझे नहीं जानता मेरा पड़ोसी मेरे नाम से
अब सिर्फ एलबम में रहते हैं
परिवार के सारे लोग एक साथ
टूटने की इस प्रक्रिया में क्या-क्या टूटा है
कोई नहीं सोचता ।

(i) उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों के कवि और कविता का नाम लिखिए ।

(ii) उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों का मूल-भाव स्पष्ट कीजिए ।

(iii) "अब सिर्फ एलबम में रहते हैं परिवार के सारे लोग एक साथ" - पंक्ति का व्यंग्यार्थ लिखिए ।

(iv) परिवार के टूटने के साथ-साथ और क्या-क्या टूटता जाता है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) राहुलजी के जीवन की बहुत बड़ी विशेषता यह रही कि वे एक ही कार्यक्षेत्र या विचारधारा से हमेशा के लिए बँधे नहीं रहे । श्रीलंकावास का अपना अधिकांश समय उन्होंने त्रिपिटक के अनुशीलन को दिया, जिसके लिए विद्यालंकार

विहार ने उन्हें 'त्रिपिटकाचार्य' की उपाधि प्रदान की । मगर राहुलजी उतने से संतुष्ट नहीं हुए । उन्हें स्पष्ट हो गया कि जब तक संस्कृत बौद्ध साहित्य का अध्ययन न किया जाए, तब तक बौद्ध धर्म तथा दर्शन की जानकारी अधूरी ही रह जाती है । परन्तु लगभग सारा बौद्ध वाङ्मय भारत से लुप्त हो गया था । हाँ, तिब्बती व चीनी अनुवादों में काफी बौद्ध साहित्य सुरक्षित था ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश को पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

(ii) राहुल जी को किस कार्य को करने में संतोष मिलता था ? स्पष्ट कीजिए ।

(iii) 'त्रिपिटकाचार्य' की उपाधि किसे प्रदान की गयी और क्यों ?

(iv) भारत से लुप्त हो जाने पर बौद्ध-साहित्य कहाँ सुरक्षित है ?

(ग) शीतयुद्ध की पराकाष्ठा के दौर में सोवियत संघ बुद्धिजीवी बिरादरी में अपनी पताका फहराने के लिए बार-बार यह दावा करता रहा था कि संसार के सभी देशों का श्रेष्ठ नया-पुराना साहित्य हमारे यहाँ बड़े पैमाने पर छप और बिक रहा है । पता नहीं उस दावे में कितना दम था लेकिन इतना जरूर पता है कि वहाँ मुक्त-मंडी स्थापित होते ही रूस के हमदर्द लेखकों को रूस जाकर तगड़ी रायल्टी वसूल करने का सुख अब मिल नहीं पा रहा है । मुक्त-मंडी ने प्रकाशन

को एक बहुत बड़े व्यवसाय का दर्जा दे डाला है और बड़े-बड़े प्रकाशन समूह किसी-न-किसी बहुराष्ट्रीय कंपनी के अंग बन चुके हैं । रचनात्मक साहित्य के अंतर्गत भी पश्चिम के बड़े प्रकाशन-समूहों को ऐसी ही कृतियाँ चाहिए, जिनके 'बेस्ट सेलर' बन सकने की सम्भावना प्रबल हो और 'रिमेण्डर' कर दिए जाने की आशंका नितांत क्षीण ।

(i) उपर्युक्त अनुच्छेद के पाठ और उसके लेखक का नामोल्लेख कीजिए ।

(ii) सोवियत संघ ने बुद्धिजीवी वर्ग में किस तरह का दावा किया था ?

(iii) मुक्त-मंडी का पुस्तक प्रकाशन पर क्या-क्या प्रभाव पड़ा ?

(iv) प्रकाशन-समूहों को किस प्रकार की रचनाओं की अपेक्षा रहती है ?

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3 \times 3 = 9$

(i) 'जल्द-जल्द पैर बढ़ाओ' - से कवि का क्या अभिप्राय है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ii) 'वे दिन' नामक लेख में रामवृक्षजी ने जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व की कौन-कौन सी विशेषताएँ लिखी हैं ?

(iii) स्त्री को घर की संकीर्ण सीमा से बाहर निकालने के लिए कौन से प्रयासों की जरूरत है ? उल्लेख कीजिए । (घर-बाहर)

(iv) 'वह जो यथार्थ था' - लेख में पेशेवर खिलाड़ी और बच्चों के खेलने में क्या-क्या अंतर बताये गये हैं ?

(v) 'दुनिया की सबसे हसीन औरत' - कहानी के संदर्भ में कहानीकार की सौंदर्य विषयक धारणा को स्पष्ट कीजिए ।

3. (i) ब्रजभाषा का सामान्य परिचय दीजिए । 4

(ii) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ लिखिए । 4

(iii) राष्ट्रभाषा और राजभाषा का अंतर स्पष्ट कीजिए । 4

4. किसी **एक** का पल्लवन कीजिए : 6

(क) पर हित सरिस धरम नहीं भाई ।

(ख) नर हो न निराश करो मन को ।

(ग) दीप से दीप जले ।

5. निम्नलिखित अनुच्छेद का शीर्षक लिखते हुए संक्षेपण कीजिए : 6

भारतीय नीति-चिंतन में संस्कृति के निर्माण के प्रयासों की यदि खोज की जाए तो पता चलेगा कि आत्म-कल्याण की बुनियाद भी समाज-कल्याण के भीतर ही छिपी है । ऐसा कोई काम संस्कृत

व्यक्ति को नहीं करना चाहिए जिसे वह स्वयं सहन न कर सके । सुप्रसिद्ध विचारक कांट ने भी इसी विचारधारा को संस्कृति का मूलाधार बताया है । दूसरी जरूरी बात यह है कि व्यक्ति को जीवन में आचरण की पवित्रता पर भी बल देना चाहिए । अर्थात्, मन, वचन और कर्म से सत्य को स्थापित करते हुए आचरण करना चाहिए । सत्य की परीक्षा की एक ही कसौटी है, वह है संस्कृति । जो व्यक्ति मन, वचन और कर्म में समानता नहीं रख पाता उसे विद्वान होने पर भी दम्भी; धनवान होने पर भी लालची; प्रतिष्ठित होने पर भी अहंकारी; कुलीन होने पर भी अकुलीन ही समझा जाता है ।

6. निम्नलिखित मुहावरों / लोकोक्तियों का अर्थ लिखते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए : $2 \times 3 = 6$

नाच न जाने आँगन टेढ़ा, कलेजा मुँह को आना, अपने मुँह मियां मिट्ठू बनना ।

7. (क) शब्दशक्ति का अभिप्राय स्पष्ट करते हुए 'अभिधा' शब्दशक्ति का परिचय लिखिए । 4

(ख) 'आज अमीरों की हवेली, किसानों की होगी पाठशाला' – पंक्ति का लक्ष्यार्थ स्पष्ट कीजिए । 4

(ग) 'कुछ लोगों के नामों का उल्लेख किया गया था जिनके ओहदे थे बाकी सब इत्यादी थे' – इस काव्य-पंक्ति में निहित व्यंग्यार्थ को स्पष्ट कीजिए । 4

8. (i) कोश की परिभाषा देते हुए इसकी उपयोगिता पर टिप्पणी लिखिए । 4

(ii) हिन्दी शब्द-कोश में प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए : 4

इत्यादि, झगड़ना, लोकतंत्र, श्वास, कालांतर, क्यारी, कंगन, संस्कृति, भारतीय, भूख, बुखार, आँगन, स्नेह, संदेश, हँसी, ओखली